

2 0 2 1

(July)

HINDI

(Honours)

[Hindi Gadya Sahitya (Vividh Vidhayen)]

(HIN-HN-8)

Marks : 75

Time : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks
for the questions*

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) छाया, यह काव्य बड़ी लगन का फल है। कल मैं इसे सम्राट की सेवा में ले जाऊँगा। और फिर, जब मैं उस सभा में इसे सुनाना आरम्भ करूँगा, तब सारे उज्जयिनी की आँखें मेरे ऊपर होंगी।

(ख) जब तक सरकार और उसके अधिकारी ठीक आचरण नहीं करेंगे, तब तक जनता प्रदर्शन करती ही रहेगी। कानून हाथ में लेती ही रहेगी। भाई साहब, इस नौकरशाही ने, शासन की इस भूख ने आपको जनता से दूर कर दिया है।

(ग) सभी देश अपनी नदियों को प्यार करते हैं, लेकिन भारत अपनी 'गंगा-यमुना' को 'माँ' कहकर प्यार ही नहीं करता, उनकी पूजा भी करता है। वे पतित-पावनी हमारे पापों को बहा भी ले जाती हैं।

(घ) यह मानव शरीर से कितना दुर्बल है, लेकिन आत्मा से कितना शक्तिशाली है, जिसके एक-एक वाक्य में हमारे देश की राजनीति, हमारे देश का दर्शन, हमारे देश का धर्म नई-नई परिभाषाएँ सीख रहा है।

(ङ) जिनके दिमाग में आला ख्याल थे और हृदय में प्रेम की धारा लहराती थी, वह प्रेम की धारा—जो अपने पराए सबको समान रूप से शीतल करती और सींचती है।

2. एकांकी-कला के आधार पर 'भोर का तारा' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'नये मेहमान' एकांकी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

3. 'महात्मा गाँधी' संस्मरण में गाँधीजी की किन चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित किया गया है? 15

अथवा

'सुभान खाँ' रेखाचित्र की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

4. प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास की विकास-यात्रा का आरेखन कीजिए। 15

अथवा

पूर्व-प्रेमचंदयुगीन कहानी के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(3)

5. हिन्दी नाटक के क्षेत्र में जयशंकर प्रसाद के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

जीवनी-साहित्य के स्वरूप और विकास का विवेचन कीजिए।

★ ★ ★